मंगलवार
07 दिसम्बर 2021

पृष्ठ 4
सर्दियों में ग्लोइंग त्वचा के लिए फॉलो करें ये आसान घरेलू ब्यूटी टिप्स

पृष्ठ 5
ट्रेडीशनल लुक में किसी परी से कम नहीं लगती तान्या शर्मा

● देहरादून
● वर्ष 28
● अंक 294
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जो भारी कोलाहल में भी संगीत को सुन सकता है, वह महान उपलब्धि को प्राप्त करता है।
– डॉ. विक्रम साराभाई

दूनवैलीमेल

29 वां वर्ष email: doonvalley_news@yahoo.com आर.एन.आई. 59626/94 Website: dunvalleymail.com
सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

किसी के लिए भी आसान नहीं मिशन 2022

संवाददाता

देहरादून। भले ही चुनाव से पूर्व सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्ष में बैठी कांग्रेस के नेता 2022 विधानसभा चुनाव में अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हो लेकिन इस बार उत्तराखंड में सत्ता तक पहुंच पाना किसी भी दल के लिए आसान नहीं रहने वाला है। अब तक बारी-बारी से सत्ता का सुख भोगने वाली भाजपा और कांग्रेस दोनों की राह आसान रहने वाली नहीं है। आम आदमी पार्टी की जोरदार दस्तक और बसपा के सभी 70 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने की घोषणा भाजपा और कांग्रेस दोनों का ही गणित बिगाड़ सकती है।

भले ही भाजपा इस बार पूरे दमखम के साथ अपनी चुनावी तैयारियों में जुटी हो और अपने कार्यकर्ताओं में जोश भरने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा अमित शाह और जेपी नड्डा को चुनाव पूर्व तमाम कार्यक्रमों के माध्यम से हर-घर भाजपा घर-घर भाजपा का संदेश देने में जुटे हैं लेकिन पिछले चुनाव में 70 में से 57 सीटें जीतकर रिकॉर्ड बनाने वाली भाजपा को पता है कि अगर उसकी

❑आप और बसपा ने बिगाड़े चुनावी समीकरण
❑भाजपा को मोदी के नाम व केंद्र के काम का सहारा
❑हरीश रावत के सामने सम्मान बचाने की चुनौती

सरकार ने ठीक से काम किया होता तो उसे चुनाव से पूर्व बार-बार न तो मुख्यमंत्री बदलने पड़ते और न ही पूर्व मुख्यमंत्रियों के फैसलों को पलटना पड़ता। प्रधानमंत्री मोदी अभी 4 दिसंबर को अपनी एक रैली दून में कर चुके हैं इस रैली में प्रधानमंत्री मोदी के फोटो के साथ छपे पोस्टर जिसमें लिखा था फिर एक बार भाजपा सरकार, से यह साफ हो गया है कि भाजपा किसी राज्य के नेता के भरोसे या चेहरे पर चुनाव में नहीं जा रही है उसे मोदी के नाम और केंद्र सरकार के कामों का ही सहारा है। अब यह देखना होगा कि क्या मोदी 2017 की तरह एक बार फिर भाजपा को 60 के पार ले जा पाएंगे? जबकि इस बार कांग्रेस ही नहीं आम आदमी पार्टी भी पूरे दमखम के साथ सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही है तथा आप ने मुफ्त बिजली-पानी और बेरोजगार गारंटी जैसे वायदों का खजाना खोल दिया है। आम आदमी पार्टी जिसने कर्नल कोठियाल को अपना सीएम चेहरा घोषित कर दिया है जबकि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही सीएम के रूप में किसी भी नेता का चेहरा सामने रखने में हिचक रही है यह बेवजह नहीं है। उनके पास ऐसा कोई चमकदार चेहरा है ही नहीं जो जीत की गारंटी दे सके।

कांग्रेस सत्ता विरोधी लहर, किसान आंदोलन और महंगाई तथा बेरोजगारी जैसे मुद्दों के साथ चुनाव मैदान में है जो कितने प्रभावी हो पातें है यह समय ही बताएगा। 2017 के चुनाव में मिली हार और 2016 की भगदड़ ने कांग्रेस से ऐसा

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

वाहनों का ऑनलाइन फर्जी बीमा कराने वाले गैंग का खुलासा, चार गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ उत्तराखण्ड द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर वाहनों का बीमा कराने वाली कम्पनियों के पोर्टल की तकनीकी खामियों का फायदा उठा कर फर्जी बीमा कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए उसके चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के कब्जे से एसटीएफ ने ठगी में इस्तेमाल लैपटाप, मोबाइल व फर्जी दस्तावेज भी बरामद किये है।

एसटीएफ उत्तराखण्ड को पिछले कुछ समय से सूचनाएं मिल रही थी कि देहरादून में चार पहिया व कमर्शियल वाहन के बीमा वास्तविक कीमत से बहुत ही कम रेट पर हो रहे है और जिसको आनॅलाईन आरटीओ की वेबसाईट या किसी भी पोर्टल पर चैक करने पर वह बीमा सही (वैलिड) प्रदर्शित होता है। इस सम्बन्ध में एसटीएफ द्वारा जांच के बाद आरटीओ कार्यालय के बाहर से प्रदीप गुप्ता पुत्र स्व. सन्तराम निवासी इन्दिरा कालोनी, मसूॅर हसन पुत्र मजूंर अहमद निवासी ब्रहमपुरी निरंजनपुर, महमूद पुत्र मुस्ताक निवासी रक्षा विहार, निकट आँचल डेरी, रायपुर रोड व नीरज कुमार गुप्ता पुत्र जानेश्वर गुप्ता निवासी अनादित्य विहार कालोनी, सहारनपुर को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पता चला कि वर्ष 2018 व इसके बाद कोविड के दौरान सभी कम्पनियों द्वारा आन लाईन इन्श्योरेंस की सुविधा देनी शुरू कर दी थी जिसमें पे-टीएम, फोन-पे एवं पोलिसी बाजार द्वारा आनॅ लाईन बीमा कराने के एड देने शुरू कर दिये

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

निलंबित सदस्यों के समर्थन में विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में धरना दिया

नयी दिल्ली। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी और कई अन्य विपक्षी सांसदों ने संसद के मानसून सत्र के दौरान उच्च सदन में अशोभनीय आचरण को लेकर शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए राज्यसभा के १२ सांसदों के खिलाफ की गई निलंबन की कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को संसद परिसर में धरना दिया। निलंबन के बाद से रोजाना प्रदर्शन कर रहे १२ निलंबित विपक्षी सांसदों ने आज भी संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरना दिया। चौधरी, शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय राउत और कई अन्य विपक्षी सांसद उनके समर्थन के लिए पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

पिछले सप्ताह सोमवार, २६ नवंबर को आरंभ हुए संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के १२ सदस्यों को इस सत्र की शेष अवधि के लिए उच्च सदन से निलंबित कर दिया गया था। जिन सदस्यों को निलंबित किया गया है उनमें मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के इलामारम करीम, कांग्रेस की फूलों देवी नेताम, छाया वर्मा, रिपुन बोरा, राजमणि पटेल, सैयद नासिर हुसैन, अखिलेश प्रताप सिंह, तृणमूल कांग्रेस की डोला सेन और शांता छेत्री, शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी और अनिल देसाई तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विस्वम शामिल हैं।

राहत: भारत में एक दिन में कोविड-19 के आए 6822 नए मामले, 220 मरीजों की हुई मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-१६ के ६,८२२ नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर ३,४६,४८,३८३ हो गई। पिछले ५५८ दिन में सामने आए ये सबसे कम दैनिक मामले हैं। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर ६५,०१४ हो गई है, जो ५५४ दिन में सबसे कम है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से २२० और मरीजों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर ४,७३,७५७ हो गई। देश में लगातार ११ दिन से कोविड-१६ के दैनिक मामले १० हजार से कम बने हुए हैं और १६३ दिन से

५० हजार से कम दैनिक मामले सामने आ रहे हैं। उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर ६५,०१४ हो गयी है, जो संक्रमण के कुल मामलों का ०.२७ प्रतिशत है। यह दर मार्च २०२० के बाद से सबसे कम है। पिछले २४ घंटों में कोविड-१६ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में ३,४०२ की कमी दर्ज की गयी है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर ६८.३६ प्रतिशत है, जो मार्च २०२० के बाद से सर्वाधिक है।

आंकड़ों के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर ०.६३ प्रतिशत दर्ज की गयी, जो पिछले ६४ दिन से दो प्रतिशत से कम है। साप्ताहिक संक्रमण दर ०.७८ प्रतिशत दर्ज की गयी, जो पिछले २३ दिन से एक प्रतिशत से कम है। देश में अभी तक कुल ३,४०,७६,६१२ लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-१६ से मृत्यु दर १.३७ प्रतिशत है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-१६ रोधी टीकों की १२८.७६ करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त को ३० लाख और पांच सितंबर को ४० लाख से अधिक हो गई थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

फैसलों की घड़ी

उत्तराखंड सरकार के पास अब काम करने के लिए बहुत ही कम समय शेष बचा है। राज्य में 20-25 दिन बाद कभी भी चुनाव आचार संहिता लागू की जा सकती है यही कारण है कि अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनकी सरकार ताबड़तोड़ फैसले करने और जो घोषणा की गई हैं उनके अमल दरफ्त में जुटे हुए हैं। बीते कल धामी सरकार की कैबिनेट बैठक में 28 फैसलों पर मुहर लगाया जाना इसकी बानगी है। वर्तमान सरकार का शीतकालीन और अंतिम विधानसभा सत्र 9 व 10 दिसंबर को होने जा रहा है। इस सत्र में इन फैसलों या प्रस्तावों को पास किया जाना भी उतना ही जरूरी है अन्यथा इसकी प्रक्रिया को पूरा नहीं किया जा सकेगा। सरकार ने देवस्थानम बोर्ड को भंग करने का ऐलान तो बहुत पहले कर दिया था लेकिन इस एक्ट को रद्द करने के लिए कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाना और सदन की मंजूरी के बाद इस पर राज्यपाल के हस्ताक्षर के बिना इसे रद्द नहीं किया जा सकता। ठीक वैसे ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा भले ही राज्य सरकार को नजूल भूमि के इस्तेमाल की छूट दे दी गई हो और हाई कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक को हटा दिया गया हो लेकिन इसे लागू करने के लिए सरकार को विधानसभा में प्रस्ताव लाना और पास कराना जरूरी है तभी सरकार नजूल भूमि पर दिए गए पट्टों को फ्री होल्ड कर सकती है। चुनाव के मद्देनजर सरकार ऐसी किसी भी फैसले को लंबित रखना नहीं चाहेगी जिससे चुनाव में उसे फायदा मिलने वाला है। देवस्थानम बोर्ड और नजूल भूमि पर बसे अनाधिकृत लोगों को मालिकाना हक देने का जो अवसर सरकार को मिला है वह दोनों ही मुद्दे चुनावी नजरिए से अत्यंत ही महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। इसके अलावा कल अतिथि शिक्षकों को न हटाने या तैनाती वाले स्थानों पर भर्ती की स्थिति में उनका मूल जनपद में समायोजन करने और पति पत्नी दोनो के सरकारी नौकरी में होने पर दोनों को आवास किराया भत्ता देने तथा 100 रूपये में पानी का कनेक्शन देने, डॉक्टरों द्वारा बाहर से दवाई लिखने पर प्रतिबंध और औद्योगिक क्षेत्र में निर्माण कार्यों में ढील दिए जाने सहित अनेक ऐसे फैसले लिए गए हैं जिनसे अलग-अलग क्षेत्र के लोगों को फायदा होगा। बात सिर्फ आम जन के फायदे तक सीमित नहीं है। इस चुनावी बेला में आम आदमी के हित में जो किया जा रहा है वह सही मायने में अपनी सरकार और पार्टी के हित के लिए ही किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के 33 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का बीमा के साथ राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा के अंतर्गत 20 किलो सस्ता राशन मार्च 2022 तक दिये जाने की घोषणा और विभिन्न विभागों में की जा रही भर्तियां आदि सभी का उद्देश्य चुनावी लाभ से ही जुड़ा है। केंद्र सरकार ने कोरोना काल में बांटे जाने वाले सस्ते राशन को बांटे जाने की समय सीमा बढ़ाकर मार्च तक कर दी थी। अब धामी सरकार ने बीपीएल को राशन साढे सात किलोग्राम से बढ़ाकर 25 किलोग्राम कर दिया है। सौगाते बांटने और निर्णय लेने का यही समय है चुनाव आचार संहिता लागू होने से पहले जितनी भी खैरात बांटी जा सकती है बांट दो। तभी उन राज्यों में इन दिनों यही हो रहा है जहां चुनाव होने हैं।

वाहनों का ऑनलाइन फर्जी बीमा कराने वाले गैंग का खुलासा...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

गये।

ठगी करने वाले व्यक्तियो द्वारा नामी एजेन्सियों का एजेन्ट बनकर अपनें रजिस्ट्रेशन नम्बर के माध्यम से बीमा करते है। बीमा कराने के दौरान चार पहिया वाहन का नम्बर वास्तविक दिया जाता है परन्तु पेमेन्ट की कैलकुलेशन के समय दो पहिया वाहनों का चयन कर उसका बीमा दो पहिया वाहन का किया जाता है। जिसका डाटा बीमा कराने वाली कम्पनी के डाटाबेस में चार पहिया का अकिंत होता है परन्तु पेमेन्ट दो पहिया वाहन का जमा होता है। जिससे बीमा के समय दी जाने वाली जीएसटी 18 प्रतिशत जहॉ चार पहिया वाहन की 20,000 पर दी जानी थी वहीं दो पहियां वाहन की मात्र 500 रूपये की जमा होती है। यह विवरण आरटीओ की वेबसाईट पर मात्र बीमा होना प्रदर्षित करता है आरोपियों द्वारा उसका प्रिन्ट निकाल कर लैपटाप में फोटोशॉप के माध्यम से एडिट करके चार पहिया वाहन व धनराशि को बढा देता है तथा जिसको वह अपने कस्टमर को देता है। वाहन स्वामी के द्वारा आरटीओ में चैक कराने पर वाहन का रजिस्ट्रेषन नम्बर और केवल इन्शुरन्स की वैलिडिटी तिथि प्रदर्षित होती है जिससे ग्राहक को वह असली लगता है।

देशभर के आरटीओ के समस्त कार्य जैसे फिटनेस, वाहन ट्रान्सफर, एनओसी, आईएनडी प्लेट, रजिस्ट्रेशन आदि में बीमा होना आवश्यक होता है जिसे आरटीओ कार्यालय द्वारा मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवेज , गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के पोर्टल पर चैक करने पर वह वाहन का केवल रजिस्ट्रेशन नम्बर व बीमे की वैलिडिटी दिनॉक को पारदर्शित करता है जिसे आरटीओ कार्यालय द्वारा पास कर दिया जाता है।

एसटीएफ को पता चला कि देश भर में इसी प्रकार सें कुछ एजेन्टो द्वारा फर्जी बीमा किया जा रहा है, जिससे वाहन स्वामी द्वारा भी कम पैसे के लालच में इस प्रकार का बीमा सर्टिफिकेट प्राप्त कर लिया जाता है। एसटीएफ द्वारा किये गये इस फर्जी बीमा खुलासे में विगत एक माह से एसटीएफ टीम गोपनीय रूप से छानबीन कर रही थी। जिसके बाद इन चार लोगों को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के कब्जे से एसटीएफ ने एक लैपटॉप, मोबाइल व फर्जी बीमे से संबंधित दस्तावेज बरामद किये है।

विजय संकल्प रैली को सफल बनाने पर जताया कार्यकर्ताओं का आभार

नगर संवाददाता

ऋषिकेश। विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल के बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय पर विगत दिनों देहरादून में संपन्न हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विजय संकल्प महारैली में ऋषिकेश विधानसभा से प्रतिभाग करने वाले कार्यकर्ताओं एवं ऋषिकेश विधानसभा के तीनों मंडल अध्यक्षों का विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सम्मान भी किया।

इस अवसर पर अग्रवाल ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं पर आधारित पार्टी है जहां एक सामान्य कार्यकर्ता भी अपने संगठन, पार्टी अथवा देश के लिए असामान्य व असाधारण कार्य करता है। उन्होंने कहा है कि ऋषिकेश विधानसभा के कार्यकर्ताओं के अंदर विजय संकल्प महारैली में पहुंचने का अलग ही उत्साह का माहौल था। इसी कारण बड़ी संख्या में ऋषिकेश से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सहित आम जनमानस देहरादून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुनने पहुंचे थे।

अग्रवाल ने कहा है कि कार्यकर्ताओं के अंदर यह उत्साह व उमंग हमेशा बना रहे। तब ही एक बार पुनः उत्तराखंड में राष्ट्रीय विचारधारा से ओतप्रोत सरकार का गठन हो सके। अग्रवाल ने कहा है कि कार्यकर्ताओं के सहयोग से ही बड़े से बड़े कार्यक्रम सफल होते हैं। देहरादून में संपन्न हुई विजय संकल्प महारैली को सफल बनाने के पीछे भी कार्यकर्ताओं ने दिन-रात मेहनत की और इसी का परिणाम है कि हर पोलिंग बूथ स्तर से कार्यकर्ता विजय संकल्प महा रैली में पहुंचे थे।

इस अवसर पर अग्रवाल ने ऋषिकेश विधानसभा के विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के अध्यक्षों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह में भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न मोर्चा, प्रकोष्ठ एवं अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित हुए साथ ही संगठन हित में और अधिक सक्रियता से कार्य करने को लेकर विचार विमर्श भी हुआ।

इस अवसर पर ऋषिकेश विधानसभा के प्रभारी दिगंबर सिंह नेगी, विधानसभा के विस्तारक मोहित राष्ट्रवादी, समन्वयक राकेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष डा. गणेश रावत, जिला पंचायत सदस्य दिव्या बेलवाल, नरेंद्र सिंह रावत, सतपाल सैनी, समा पवार, रजनी बिष्ट, जयंत किशोर शर्मा, कमला नेगी, निर्मला उनियाल, चंद्रकांता बेलवाल, सीमा रानी, विजय जुगलान, नितिन सक्सेना, पार्षद शिव कुमार गौतम आदि मौजूद रहे।

गोदियाल के समक्ष दर्जनों ने ली कांग्रेस की सदस्यता

नगर संवाददाता

देहरादून। भाजपा तथा अन्य दलों के कई लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल की उपस्थिति में प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में विधायक फुरकान अहमद एवं प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष सुशील राठी के सहयोग से पूर्व जिला पंचायत सदस्य मुल्कीराज सैनी ने अपने साथियों तथा कर्नल निधिकान्त ध्यानी, कर्नल राजेन्द्र प्रसाद बर्थवाल एवं मेजर केएन शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपायक्ष एवं मीडिया सलाहकार सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि कर्नल निधिकान्त ध्यानी, कर्नल राजेन्द्र प्रसाद बर्थवाल, एवं मेजर केएन शर्मा एवं हरिद्वार जनपद के पूर्व जिला पंचायत सदस्य मुल्कीराज सैनी एवं उनके साथियों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ही देश की एकमात्र पार्टी है जिसने हर वर्ग, जाति व हर धर्म का सम्मान किया है।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक पार्टी है जो सभी धर्मों, वर्गों, सम्प्रदायों एवं जातियों का सम्मान करती है। कांग्रेस पार्टी ने आजादी से लेकर आज तक राजनीति के साथ-साथ समाज सुधारक के रूप में भी काम किया है तथा समाज को एक नई दिशा दी है।

कर्नल निधिकान्त ध्यानी, कर्नल राजेन्द्र प्रसाद बर्थवाल एवं मेजर केएन शर्मा एवं मुल्कीराज सैनी के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों में टीसी भारती, अरविन्द सैनी, हरीश भटनागर, विक्रांत पुण्डीर, अफजाल, बीबी सैनी, इन्द्र सैनी, सचिन मुखिया, कौशिन्द्र कर्णवाल, विवेक सिंह, अनुज शर्मा, अंकित सैनी आदि शामिल रहे।

इस अवसर पर विधायक फुरकान अहमद, प्रदेश उपाध्यक्ष जोत सिंह बिष्ट, प्रदेश महामंत्री मथुरादत्त जोशी, कै. बलवीर सिंह रावत, मेजर हरिसिंह चौधरी, कर्नल एसपी शर्मा, कर्नल मोहन सिंह रावत, आशा टम्टा, राव शेर मोहम्मद, श्याम सिंह, मनोज तलियान, नारायण सिंह नेगी, सहदेव प्रसाद शर्मा, सीएम भट्ट, बीएस बिष्ट, केएस राणा आदि कांग्रेसजन उपस्थित थे।

अव क्रन्द दक्षिणतो गृहाणां सुमङ्गलो भद्रवादी शकुन्ते।'

'मा न स्तेन ईशत माघशंसो बृहद्वदेम विदथे सुवीराः।।

(ऋग्वेद २-४२-३)

सत्य और कल्याणकारी वचनों को घर की छत से भी प्रबल वाणी में बोलने में कोई त्रुटि नहीं है। इस तरह के वचनों से अपराधियों का प्रभुत्व समाप्त होता है। हे प्रभु! चोर, पापी व पापयुक्त वचन बोलने वाला हमारे ऊपर कभी भी शासन ना करें।

There is nothing wrong in speaking aloud the words of truth and welfare from the top of the house. Such oracles end the dominance of criminals. O God ! Thief, sin and the one who is a speaks sinful words should never rule over us.

(Rig Veda 2-42-3)

डीएम ने सीएम की घोषणाओं की समीक्षा की

नई टिहरी (आरएनएस)। मुख्यमंत्री की घोषणाओं की समीक्षा करते हुए डीएम इवा श्रीवास्तव ने लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये। संबंधित अधिकारियों को सीएम की घोषणाओं में कोताही न बरतने की हिदायत भी दी। जिला सभागार में सीएम की घोषणाओं की समीक्षा को लेकर आहूत बैठक में डीएम इवा ने मुख्यमंत्री के जनपद भ्रमणों के दौरान की गई घोषणाओं की विधानसभावार समीक्षा कर अद्यतन स्थिति का जायजा लिया। समीक्षा के दौरान विभागीय स्तर पर पर लंबित प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिये। अधिकांश घोषणाओं के आगणन तैयार कर वित्तीय स्वीकृति को शासन को प्रेषित किये जाने की बात बताई गई। वन विभाग के स्तर पर लंबित प्रकरणों के निस्तारण को संबंधित प्रभागीय वनाधिकारियों को निर्देश दिये।

गुरु महाराज जी के 50 सरूप देहरादून पहुंचने पर संगत ने किया भव्य स्वागत

कार्यालय संवाददाता

देहरादून । गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढ़त बाजार द्वारा संगत के अनुरोध पर शरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी श्री अमृतसर से महाराज के ५० सरूप गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा सुबह १०.० पहुंचे, श्री पोंटा साहिब से रवाना हुए गुरु महाराज के सरूपपो का रास्ते में जगह जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत हुआ। प्रातः करीब ८.० बजे गुरुद्वारा दमदमा साहिब, प्रेम नगर में पुष्प वरखा एवं बैंड की गुरबानी द्वारा स्वागत हुआ काफ़ी संख्या में संगत प्रेम नगर पहुंची एवं गुरु का लंगर छका। गुरुद्वारा पंडित वाड़ी, गुरुद्वारा सयद महल्ला जहाँ प्रशाद वितरित हुआ, घंटाघर पर काफ़ी संख्या में गुरुद्वारा अमर दास, लुनिया मोहल्ला, मच्छी बाजार गु. की कमेटी, करनपुर गुरुद्वारा, गुरुद्वारा पटेल नगर, गु. रेस कोर्स, आदि ने गुरु साहिब का भव्य स्वागत किया पालकी साहिब के आगे मोटर साईकलो पर गुरु साहिब की अगुवाई कर रहे नौजवान गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा पहुँचे।

गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह पहुंचने पर जो बोले सो निहाल के जयकारों से दून नगरी गूंज उठी एवं पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया तथा गुरु साहिबान को सुखासन स्थान पर बुहत सम्मान के साथ पहुँचाया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रधान गुरबख्श सिंह राजन, गुलज़ार सिंह, जगमिंदर सिंह छाबड़ा, चरणजीत सिंह, मनजीत सिंह अमरजीत सिंह छाबड़ा, सतनाम सिंह, देविन्दर सिंह भसीन,, प्रधान भगत सिंह, इंदरजीत सिंह, गुलशन सिंह, दलजीत सिंह, संतोख सिंह, बलजीत सिंह सोनी, हरमोहिंदर सिंह, जगजीत सिंह, प्रीतम सिंह आदि काफ़ी संख्या में संगत ने गुरु महाराज के सरूपो का स्वागत किया।

महासचिव गुलज़ार सिंह ने मंच का संचालन करते हुए दरबार श्री अमृतसर से आये सेवादारों का एवं संगत का धन्यवाद किया कर्यक्रम के पश्चात संगत ने जलपान ग्रहण किया।

मुख्यमंत्री धामी ने पुरुकुल में बनने वाले सैन्यधाम स्थल का निरीक्षण किया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को पुरूकुल में बनने वाले सैन्यधाम स्थल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री श्री गणेश जोशी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सैन्यधाम सबकी भावनाओं से जुड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप उत्तराखण्ड के पांचवे धाम के रूप सैन्यधाम बनाया जा रहा है। यह सैन्यधाम भव्य बनाया जायेगा। सैन्यधाम में सभी शहीद जवानों की स्मृतियों को संजो कर रखा जायेगा।

उत्तराखण्ड के शहीद जवानों के आंगन की मिट्टी सैन्यधाम में लाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव सैनिक कल्याण एवं जिलाधिकारी देहरादून को निर्देश दिये कि सैन्यधाम के निर्माण के लिए होने वाली सभी आवश्यक कार्यवाही में तेजी लाई जाय।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव एल. फैनई, जिलाधिकारी देहरादून डॉ. आर. राजेश कुमार, एमडी उपनल ब्रिगेडियर (से.नि.) पी.पी.एस. पाहवा एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

आंगनवाड़ी कर्मियों को 02 लाख का वार्षिक दुर्घटना बीमा पॉलिसी उपलब्ध करवाई जायेगी: धामी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सनातन धर्म इंटर कॉलेज रेस कोर्स में महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान आंगनवाड़ी संगठन द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए मानदेय वृद्धि करने पर आभार व्यक्त किया गया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि सभी आंगनवाड़ी कर्मियों को ०२ लाख का वार्षिक दुर्घटना बीमा पॉलिसी उपलब्ध करवाई जायेगी। आंगनवाड़ी कर्मियों का मासिक मानदेय डिजिटल तरीक़े से सीधे उनके खाते मे दिया जायेगा। आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के २५ प्रतिशत पद आंगनवाड़ी सहायिकाओं, जिन्होंने १० वर्ष की संतोषजनक सेवा पूर्ण की हो और आवश्यक शैक्षिक योग्यता पूरी करती हो, के द्वारा भरे जायेंगे। प्रदेश में जिन लोगों पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम लागू नहीं होता है, उन्हें दिसंबर २०२१ से मार्च २०२२ तक प्रत्येक माह कुल २० किलोग्राम खाद्यान्न/प्रति कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से सेनेटरी नैपकिन के लिए जो एक रुपये का भुगतान करना पड़ता था वो अब निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के निर्माण में मातृशक्ति की बड़ी भूमिका है, महिला सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अनेक कार्य किये जा रहे हैं। उत्तराखण्ड राज्य निर्माण आन्दोलन में मातृशक्ति की अहम भूमिका निभाई। सरकार जनता की साझीदार के रूप में कार्य कर रही है। बीते पाँच महीनों में सरकार ने ५०० से ज़्यादा निर्णय लिए और उन पर शासनादेश जारी किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास

है कि २०२५ तक राज्य हर क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बने। खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में नई खेल नीति बनाई गई है। हर वर्ग को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने आंगनबाड़ी वर्कर का मानदेय बढ़ाकर उनके ऋण को चुकाने का प्रयास किया है। विपरीत परिस्थितियों में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां किस प्रकार कार्य करते हैं, यह सब बखूबी जानते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके दोनों बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा भी आंगनबाड़ी केंद्र में ही हुई है, इसलिए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के मेहनत से भलीभांति अवगत हैं। राज्य के विकास के लिए नारी का सशक्त होना जरूरी है। राज्य में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल के बाद सरकार के पास आय के संसाधनों में भी कमी आई है, लेकिन इसके बावजूद सरकार ने मानदेय बढ़ाने में कंजूसी नहीं की। सरकार ने आजीविका से जुड़ी प्रदेश की महिलाओं को मजबूत करने के लिए ११६ करोड़ रूपये का कोविड राहत पैकेज जारी किया। इसके अलावा सरकार ने आशा, उपनल समेत तमाम विभागों में कार्यरत कर्मचारियों का मानदेय बढ़ाया है।

कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्या ने कहा कि प्रदेश में होने वाली विभिन्न गतिविधियों में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का अहम योगदान होता है। हर क्षेत्र में आंगनवाड़ी बहनों द्वारा सहयोग दिया जाता है। आंगनवाड़ी बहनों के हित में राज्य सरकार द्वारा हर संभव कार्य किये जा रहे हैं। महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। बीते पांच वर्षों में आंगनवाड़ी केंद्रों को ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य एवं पोषण की धुरी मानते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों में गैस सिलिंडर, पेयजल, शौचालय, स्वच्छता किट, प्री स्कूल किट, मेडिसिन किट तथा किचन गार्डन आदि अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं हैं। ग्राम स्तर पर आंगनवाड़ी कार्मिकों की सशक्त एवं सक्रिय उपस्थिति का परिणाम है कि आंगनवाड़ी के केंद्रों के माध्यम से प्रतिमाह लगभग ६ लाख लाभार्थियों को पोषाहार उपलब्ध कराया जाता है।

इस अवसर पर विधायक श्री उमेश शर्मा काऊ, श्री महेंद्र भट्ट, श्री भरत चौधरी, सचिव महिला एवं बाल विकास श्री एच.सी.सेमवाल, मंच संचालिका डॉ. कंचन नेगी, संबंधित विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रही।

281 मरीजों ने रामगढ़िया भवन में लगें स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। रामगढ़िया सभा के तत्वावधान में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, फिजियाथेरेपी एवं दिव्यांग सहायतार्थ शिविर का आयोजन किया गया जिसमें २८१ मरीजों ने चौक अप करवा कर उचित परामर्श एवं दवाईयां निःशुल्क प्राप्त की।

सबके भले की अरदास के पश्चात डॉक्टर्स ने चौक अप शुरू किया। जिसमें २४० मरीजों को दवाईयां,१८० के शुगर टेस्ट ६५ फिजीओथेरेपी,२०० के आँखों का चेकअप,,२ ट्राई साईकिल,४० कान की मशीने,७० चश्मे, २ व्हील चेयर,१ वाकर,२ सेटरा पोट, १२ स्टिक,६ बैसाखियाँ एवं २ एल्बो वितरित की। शिविर में श्री गुरु नानक देव हॉस्पिटल, सेवला खुर्द, ट्रांसपोर्ट नगर रोड़, उत्तरांचल मेडिकल कालेज, विज़न सोसायटी ऑफ़ इंडिया एवं एन आई वी एच संस्थान का विशेष योगदान रहा, जबकि शिविर में सामान्य रोग, स्त्री रोग, बाल रोग, दंत रोग, ब्लड सुगर, वी पी आदि परीक्षण कर सुप्रसिद्ध डॉ आर सी महेश्वरी, डॉ राधिका एवं डॉ ओ पी गुप्ता नेत्र रोग, डॉ. निर्मला भारद्वाज एवं डॉ. दीपशिखा, स्त्री रोग, डॉ एन कुमार, डॉ. असलम एवं डॉ. रूपा रानी फिजिओथेरेपीस्ट आदि ने चिकित्सिया सहयोग किया। जबकि एन आई वी एच के जे लखेड़ा, महिंदर सिंह चौधरी आदि ने दिव्यांग उपकरण वितरित किये। गुरु नानक देव हॉस्पिटल के जसबीर सिंह, दी के गुप्ता,अमित अग्रवाल आदि ने अमूल्य सहयोग दिया।

इस अवसर पर सभा के प्रधान सुरजीत सिंह, उपाध्यक्ष परमजीत सिंह कुंदी महासचिव सेवा सिंह मठारु कोषाध्यक्ष रघुबीर सिंह, सचिव राजेंदर सिंह राजा, उपाध्यक्ष गुरमीत सिंह, प्रचार मंत्री दिलबाग़ सिंह, स्टेज सेक्रेटरी करतार सिंह, स्टोर इंचार्ज मनजीत सिंह, बलदेव सिंह, सुविन्दर सिंह, सुरिंदर सिंह एवं गुरुद्वारा सिंह सभा के प्रधान गुरबख्श सिंह, महासचिव गुलज़ार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगमिंदर सिंह छाबड़ा, अमरजीत सिंह छाबड़ा, सतनाम सिंह, देविन्दर सिंह भसीन, ईश्वर सिंह लखा सिंह मनजीत सिंह, फलोरा आदि उपस्थित थे। डॉक्टर साहिबान को उनकी सेवाओं के लिये सम्मानित किया गया। प्रधान सुरजीत सिंह एवं महासचिव सेवा सिंह मठारु ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

रोटी, कपड़ा और मोबाइल का दौर

आलोक पुराणिक

एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक साल 2021 की तीसरी तिमाही में भारत में हर व्यक्ति औसतन एक दिन में 4.6 घंटे अपने एंड्राइड स्मार्टफोन पर गुजार रहा है। साल 2019 तक औसत एक दिन में एक भारतीय मोबाइल पर 3.3 घंटे बर्बाद करता था, जिसमें पिछले एक साल में 44 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। लूडो में वक्त जा रहा है मोबाइल पर।

तकनीक बदलती है, तरीके नहीं, बंदा पहले वैसे लूडो खेलता था, अब ऐसे लूडो खेलता था।

पहले बार-बार वन टू वन मिलकर पूछता था-और बता क्या नया। अब व्हाट्सएप पर हर पांच मिनट में पूछता है और बता क्या नया। नया क्या हो सकता है पांच मिनट में और नया क्या हो सकता है पांच सालों में भी। मेरे मोहल्ले में आवारा कुत्तों और चेन स्नैचरों का कहर पच्चीस सालों से है, कहर वैसा का वैसा है। बंदा बदलता है पर बदलता नहीं है।

नंगी-पुंगी पोर्न फिल्में बंदा पहले सीडी लाकर देखता था, अब इंटरनेट पर दे-दनादन हैं। इंटरनेट की सबसे सबसे बड़ी खूबी यह है कि दूर से यह तड़ना मुश्किल है कि बंदा स्वामी सदानंद के सत्संग में है या सन्नी लियोनी का सत्संग कर रहा है इंटरनेट पर। सच्चाई यह है कि औसत भारतीय इतना वक्त अपने जीवन के साथ न गुजार रहा है मानसिक तौर पर। जीवन साथी भी लगा है मोबाइल में, मोबाइल ही जीवन साथी हो लिया है।

एक बड़ी हाउसिंग सोसायटी के तीन चौकीदार मोबाइल में घुसे मिले, मैंने निवेदन किया-आप लोगों का ध्यान चोरी रोकने पर न है, कोई चोर आयेगा चोरी करके चला जायेगा।

एक चौकीदार ने बताया-आप अभी पुराने वक्त में रह रहे हैं, अब चोर चोरी फ्राम होम करते हैं, मोबाइल से ही आपकी रकम पार कर देते हैं तो अब चौकीदारी भी मोबाइल में हो रही है और चोरी भी मोबाइल में ही हो रही है।

महंगाई की शिकायत करने वालों के मुंह पर तमाचा है इंटरनेट डेटा का भाव इंडिया में। दुनिया में सबसे सस्ता इंटरनेट डेटा भारत में मिलता है। साल 2021 की बात करें, तो भारत में 1जीबी डेटा के लिए टेलीकॉम कंपनियां 10.93 रुपये चार्ज कर रही हैं, जो दुनिया के किसी भी देश के प्रति जीबी डेटा चार्ज से कम है। जबकि 2014 से पहले तक भारतीयों को प्रति जीबी डेटा के लिए औसतन 269 रुपये देना पड़ता था। पिछले 6 वर्षों में भारत में इंटरनेट डेटा की कीमत में करीब 96 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। ऐसे में मौजूदा वक्त में 1 जीबी डेटा की कीमत 1 किग्रा आटा से कम है। डेटा के भाव गिर रहे हों, तो आटे के भाव की चिंता न करनी चाहिए।

इंटरनेट पर भजन हैं, प्रवचन हैं, सत्संग है, राग-रंग हैं, सदानंद से लेकर सन्नी लियोनी है, डिस्काउंट पर बिकती कार है, साड़ी पर सेल सलोनी है। लाइफ सैट है जी, सस्ता इंटरनेट है जी। क्या कहा इससे बुनियादी समस्याओं का हल नहीं मिलता, छोड़िये वह वायरल वीडियो देखिये। (आरएनएस)

उपखनिज ढोने वाले वाहनों से हो रही दुर्घटनाओं को रोकें सरकारः मोर्चा

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि मोर्चा द्वारा मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर प्रदेश में उपखनिज (रेत-बजरी- पत्थर) परिवहन कर रहे वाहनों से हो रही दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु ड्राइविंग लाइसेंस एक्ट में आमूलचूल परिवर्तन का आग्रह किया गया है।

नेगी ने कहा कि अधिकांश दुर्घटनाओं में देखा गया है कि 20-25 वर्ष के युवकों द्वारा इन वाहनों पर ड्राइवरी की जा रही है तथा कई युवा चालकं नशे का सेवन कर वाहन चलाते हैं तथा कई मामलों में ओवरलोडिंग व अवैध उपखनिज ढो रहे वाहन चालक पकड़े जाने के डर से भी वाहन को सरपट दौड़ाते हैं। जिस कारण अब तक प्रदेश में सैकड़ों लोगों की जिंदगी समाप्त हो चुकी है तथा कई लोग अंग-भंग होने की वजह से लाचारी वाली जिंदगी जीने को मजबूर हैं। नेगी ने कहा कि इन दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु सरकार को उप खनिज के परिवहन में प्रयुक्त होने वाले वाहनों के चालको हेतु उम्र कम से कम 30 वर्ष अथवा भारी वाहन चलाने का कम से कम 8-10 वर्ष का अनुभव अनिवार्य होना चाहिए, जिससे इनमें अनुभव के साथ-साथ गंभीरता भी आ सके।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

सर्दियों में ग्लोइंग त्वचा के लिए फॉलो करें ये आसान घरेलू ब्यूटी टिप्स

सर्दी का मौसम रैशेज, ड्राई और फ्लैकी पैच जैसी समस्याएं लेकर आता है. ऐसे में त्वचा अपनी नमी खो देती है. सर्दियों में त्वचा को अधिक देखभाल की जरूरत पड़ती है.

ऐसे में त्वचा को मॉइस्चराइज करना बहुत जरूरी है. त्वचा को हाइड्रेट रखने और मुलायम बनाने के लिए आप कई तरह के घरेलू नुस्खे आजमा सकते हैं.

सर्दियों में त्वचा को हेल्दी रखने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

नियमित रूप से एक्सफोलिएट करें

सर्दियों में अक्सर हमें लगता है कि हमारी त्वचा को एक्सफोलिएशन की जरूरत नहीं है क्योंकि हमें ज्यादा बाहर नहीं जाना पड़ता है. लेकिन सर्दियां मृत त्वचा कोशिकाओं को जन्म देती हैं. ये रोम छिद्रों को बंद कर देता है. इससे त्वचा अपनी चमक खोने लगती है. इसलिए, डेड स्किन बिल्डअप से छुटकारा पाने के लिए हफ्ते में दो बार अपनी त्वचा को एक्सफोलिएट करें. इससे हाइड्रेशन के सही स्तर को बनाए रखने में मदद मिलती है.

सही मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें

सर्दियों में सर्द हवा से त्वचा का बचाव करने के लिए आपको सही मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करना चाहिए. ऐसे मॉइस्चराइजर त्वचा के लिए इस्तेमाल करें जो लंबे समय तक त्वचा पर टिके रहें. अगर आपकी त्वचा और हाथ बेहद ड्राई हैं, तो आप सर्दियों के दौरान तेल आधारित मॉइस्चराइजर का विकल्प चुन सकते हैं. वॉटर बेस्ड मॉइश्चराइजर गर्मियों के लिए बहुत अच्छे होते हैं, लेकिन सर्दियों में ये असरदार नहीं होते क्योंकि ये आपकी त्वचा को बहुत बार ड्राई कर देते हैं. हाइड्रेशन के लिए आप शीया बटर का चुनाव भी कर सकते हैं.

सर्दियों के लिए डीआईवाई फेसमास्क

फेस मास्क आपकी त्वचा को हाइड्रेट कर सकते हैं, गंदगी को हटा सकते हैं और त्वचा के छिद्रों को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं. सर्दियों में त्वचा को मुलायम और हाइड्रेट रखने के लिए वैसे तो बाजार में बहुत से ब्यूटी प्रोडक्ट मौजूद हैं, लेकिन इनमें कैमिकल की मौजूदगी त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकती हैं. ऐसे में कुछ घरेलू फेस पैक भी इस्तेमाल कर सकते हैं. शहद और मलाई (मिल्क क्रीम) फेसमास्क लगाना सबसे अच्छी प्राकृतिक मॉइस्चराइजिंग क्रीमों में से एक है. ये आपकी त्वचा को मुलायम बनाने में मदद करते हैं. शहद आपकी त्वचा को उन बैक्टीरिया से दूर करने में मदद करता है जो आपके चेहरे पर पिंपल्स और मुंहासों का कारण बनते हैं. एक बाउल में एक बड़ा चम्मच मिल्क क्रीम और शहद को अच्छी तरह मिला लें. इस मिश्रण को अपने चेहरे और त्वचा पर लगाएं और लगभग 15 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर गुनगुने पानी से धो लें.(आरएनएस)

'आश्रम' की 'बबिता' ने मोनोकिनी पहनकर शेयर की तस्वीर

डायरेक्टर प्रकाश झा की बॉबी देओल स्टारर वेब सीरीज 'आश्रम' के दोनों सीजन ने लोगों का खूब मनोरंजन किया था। वहीं, वेब सीरीज में बबिता का रोल करने वाली ऐक्ट्रेस त्रिधा चौधरी ने लोगों को अपनी तरफ काफी आकर्षित किया था। जब भी वेब सीरीज 'आश्रम' की बात होती है तो त्रिधा चौधरी के इंटीमेट सीन की बात जरूर होती है। त्रिधा चौधरी ने सोशल मीडिया पर मोनोकिनी पहनकर अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जो लोगों का ध्यान खींच रही है।

त्रिधा चौधरी ने अपने इंस्टग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वह पर्पल कलर की मोनोकिनी पहनकर एक चेयर पर बैठी हुई हैं। उन्होंने चश्मा पहना हुआ है और बालों में पर्पल कलर का ही तौलिया भी पहना हुआ है। उनके सामने एक टेबल पर ब्रेकफास्ट रखा है।

त्रिधा चौधरी का ये बोल्ड अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है और जमकर कॉमेंट कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वालीं त्रिधा चौधरी अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। त्रिधा चौधरी के फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होते हैं। त्रिधा चौधरी ने बंगाली फिल्म मिशौर रोहोस्यो से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह वेब सीरीज चार्जशीट और बंदिश बैंडिट्स में काम कर चुकी हैं। वह साल 2016 में टीवी शो दहलीज में हर्षद अरोड़ा के साथ नजर आई थीं। त्रिधा चौधरी अब रणबीर कपूर, वाणी कपूर और संजय दत्त स्टारर फिल्म शमशेरा में काम करती दिखाई देंगी।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -052

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

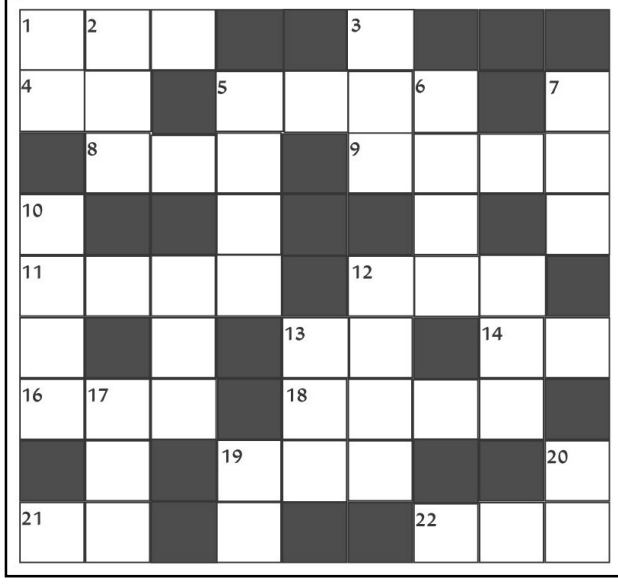

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 51 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

राधिका मदान और आयुष मेहरा जियो स्टूडियोज की फिल्म में साथ दिखेंगे

राधिका मदान बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्री हैं। वह काफी कम समय में दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही हैं। उन्होंने अपनी सुंदरता, अंदाज और अभिनय से इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने की कोशिश की है। हालिया रिलीज हुई सनी कौशल अभिनीत शिद्दत में उन्होंने अपने रोमांटिक अंदाज से जलवा बिखेरा था। अब उनके हाथ जियो स्टूडियोज की एक फिल्म लग गई है, जिसमें वह लोकप्रिय यूट्यूबर व अभिनेता आयुष मेहरा के साथ दिखेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, राधिका और आयुष जियो स्टूडियोज की एक फिल्म में साथ नजर आएंगे। फिल्म में एक फ्रेश जोड़ी के तौर पर पहली बार राधिका और आयुष दिखेंगे। सूत्र की मानें तो इस प्रोजेक्ट पर अप्रैल में काम शुरू होना था। हालांकि, कुछ वजहों से इस फिल्म पर काम शुरू नहीं हो पाया है। फिलहाल इस फिल्म का आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। उम्मीद है कि जल्द इस प्रोजेक्ट से संबंधित विस्तृत जानकारी सामने आएगी। राधिका की शिद्दत 1 अक्टूबर को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी। इस फिल्म पर दर्शकों ने दिल खोलकर प्यार लुटाया था। सनी और राधिका की ऑन स्क्रीन कमेस्ट्री ने समीक्षकों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया है। राधिका ने अपने करियर की शुरुआत 2014 में टेलीविजन शो मेरी आशिकी तुम से ही से की थी। इसके बाद उन्होंने 2018 में पटाखा से बड़े पर्दे पर कदम रखा था। इसके अलावा अंग्रेजी मीडियम में उनकी भूमिका के लिए उन्हें खूब तारीफ मिली थी। इस फिल्म में दिवंगत अभिनेता इरफान खान नजर आए थे। वहीं, उन्हें वेब सीरीज रे में भी देखा गया था। वह आने वाले दिनों में आसमान भारद्वाज की फिल्म कुत्ते में नजर आएंगी। आयुष के करियर की बात करें तो उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बेहतर काम किया है। उन्होंने हाल ही में रिलीज हुई नेटफ्लिक्स की सीरीज कॉल माई एजेंट: बॉलीवुड के साथ ओटीटी की दुनिया में कदम रखा है। यह शो फ्रांसीसी टीवी सीरीज कॉल माई एजेंट पर आधारित है। इसमें आयुष के साथ सोनी राजदान, रजत कपूर और आहाना कुमरा जैसे कलाकार नजर आए हैं। बीते 29 अक्टूबर को यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर आई है।

अनिल कपूर, श्रीदेवी के हीर रांझा लुक को रीक्रिएट करेंगे ऐश्वर्या खरे और रोहित सुचांती

भाग्य लक्ष्मी की अभिनेत्री ऐश्वर्या खरे ने 1992 की फिल्म हीर रांझा के हीर के लुक में आने के बारे में बात की, जिसमें अनिल कपूर और श्रीदेवी ने एक विशेष सीक्वेंस के लिए अभिनय किया था। खरे शो में लक्ष्मी के रूप में नजर आ रही हैं। उनके अनुसार आने वाले एपिसोड में एक बॉलीवुड थीम पार्टी दिखाई जाएगी जिसमें वह अपने ऑन स्क्रीन पति ऋषि (रोहित सुचांती) के साथ अनिल कपूर और श्रीदेवी की फिल्म हीर रांझा के लुक को रीक्रिएट करेंगी। ऐश्वर्या ने कहा, मैंने हीर के रूप में तैयार होने के बाद अद्भुत महसूस किया, एक कलाकार होने का लाभ यह है कि हमें अलग-अलग किरदार निभाने को मिलते हैं। रोहित और मैंने अनिल कपूर सर और श्रीदेवी मैम की उनकी 1992 की फिल्म हीर रांझा के रूप में कपड़े पहने हैं और हमें बॉलीवुड पार्टी सीक्वेंस की शूटिंग में बहुत मजा आया। मैंने लुक की बारीकियों को जानने के लिए फिल्म के कुछ दृश्यों को भी देखा और एक अभिनेत्री के रूप में मैं हमेशा अपना श्रेष्ठ काम करने की कोशिश करती हूं। इस एपिसोड में ऋषि अपनी ऑन-स्क्रीन प्रेमिका और उसके दोस्त विराज सिंघानिया (आकाश चौधरी) के साथ नाचते हुए दिखाई देंगे, जो अक्षय कुमार के रूप में तैयार होते हैं और अपनी प्रेमिका के साथ प्रदर्शन करके ऋषि को ईर्ष्या करने की कोशिश करते हैं। भाग्य लक्ष्मी जी टीवी पर प्रसारित होता है।(आरएनएस)

निर्देशक बाला की अगली फिल्म में साउथ सुपरस्टार सूर्या के अपोजिट कीर्ति सुरेश करेंगी काम!

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अभिनेता सूर्या मशहूर निर्देशक बाला के साथ 20 साल बाद एक बार फिर काम करने जा रहे हैं. ये फिल्म इनदोनों की खास फिल्मों में से एक होने वाली है. इस फिल्म में लीड एक्ट्रेस को लेकर कई दिनों से सस्पेंस बना हुआ था. अब जैसी रिपोर्ट्स आ रही हैं उसके अनुसार, इस रेस में सबसे ऊपर कीर्ति सुरेश का नाम आ रहा है. बताया जा रहा है कि कीर्ति सुरेश से इस फिल्म के लिए संपर्क किया गया है. खबर के मुताबिक, कीर्ति सुरेश से इन फिल्म में काम करने के लिए संपर्क किया जा रहा है. कीर्ति साउथ की टॉप एक्ट्रेस में से एक हैं. हालांकि अभी सिर्फ बातचीत चल रही है. कहा जा रहा है निर्माताओं के साथ बातचीत अब अंतिम प्रक्रिया में है जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा की जाएगी. ये दूसरी बार होगा जब कीर्ति सूर्या के साथ काम करेंगी. इसके पहले वो सूर्या की फिल्म 'थाना सेरंधा कुट्टम' में नजर आ चुकी हैं. इस फिल्म में ससूर्या और कीर्ति की केमेस्ट्री की खूब चर्चाएं हुईं थीं.

कीर्ति पहली बार निर्देशक बाला की किसी फिल्म फिल्म काम करेंगी. इस फिल्म का टाइटल अभी घोषित नही हुआ है. सूर्या और बाला 20 साल बाद एक साथ काम करने वाले हैं. साल 2001 में इस जोड़ी ने 'नन्दा' और साल 2003 में 'पीथामगन' जैसी सुपरहिट फ़िल्म दी थी. इस बार भी फैंस वैसे ही कमाल की उम्मीद कर रहे हैं. इस फिल्म को सूर्य की प्रोडक्शन कंपनी टूडी एंटरटेनमेंट ही बना रही है.(आरएनएस)

ट्रेडीशनल लुक में किसी परी से कम नहीं लगती तान्या शर्मा

टेलीविजन अभिनेत्री तान्या शर्मा को तो आप जानते ही होंगे बता दे कि वह कई सारे टेलीविजन सीरियल में काम कर चुकी है वह अपनी एक्टिंग के साथ-साथ फैशन सेंस को लेकर भी चर्चा में बनी रहती है. हाल ही में इस अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की है जिसमें वो ट्रेडीशनल लुक में नजर आ रही है जो कि आप इन तस्वीरों में देख सकते हो . यह अभिनेत्री हमेशा अपने क्यूट तस्वीरों से लोगों का दिल जीत लेती है और फोटोशूट साजा करती रहती है. तान्या शर्मा एक इंडियन टेलीविजन एक्ट्रेस और मॉडल हैं। वह स्टार प्लस के शो साथ निभाना साथिया में मीरा मोदी की रोल निभाकर फेमस हुईं। उन्होंने टीवी शो वो अपना सा, उदान और इट्स कॉम्प्लिकेटेड रिलेशनशिप का नया स्टेटस में भी वर्क किया है।

तान्या शर्मा का जन्म 27 सितंबर 1995 को दिल्ली, भारत में हुआ था। उनकी एक बड़ी बहन, कृतिका शर्मा हैं, जो एक टेलीविजन एक्ट्रेस भी हैं। कृतिका को स्टार प्लस की हिट सीरीज, ये रिश्ता क्या कहलाता है में एक रोल के लिए जाना जाता है। शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत एक तेलुगु मूवी लव स्टेट्स में एक छोटी रोल से की थी। उन्होंने अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत सीरियल अफसर बिटिया से की, जिसमें उन्होंने चंचल राज की रोल निभाई। बाद में वह देवो के देव में देवसेना के रूप में दिखाई दीं। महादेव।

2016-17 में, उन्हें स्टार प्लस टीवी सीरियल साथ निभाना साथिया में मीरा मोदी की रोल के साथ टेलीविजन में अपना बड़ा ब्रेक मिला। इस किरदार के साथ शर्मा को व्यापक लोकप्रियता मिली और उनके एक्टिंग को काफी सराहा गया। वह ज़ी टीवी के वो अपना सा में बिन्नी जिंदल की रोल में दिखाई दिए। उन्होंने सांवली और अंजोर 'राजवंशी के रूप में कलर्स टीवी सीरियल उदयन में भी वर्क किया।(आरएनएस)

आनंदी के रूप में नई यात्रा के लिए तैयार है शिवांगी जोशी

टीवी अभिनेत्री शिवांगी जोशी डेली सोप बालिका वधू में मुख्य नायक आनंदी के रूप में अपनी नई यात्रा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शिवांगी इससे पहले ये रिश्ता क्या कहलाता है से काफी प्रसिद्धि बटोर चुकी है। जैसा कि शो 9 साल का लीप लेने जा रहा है, शिवांगी इसमें युवा आनंदी का किरदार निभाएंगी। वह समृद्ध बावा सहित नए कलाकारों में शामिल होंगी, जो जिगर (आनंदी के पति) की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं रणदीप राय आनंद के रूप में हैं, जो शो में आनंदी के करीबी दोस्त हैं कि भूमिका निभा रहे है।

शिवांगी इस नए चरित्र में कदम रखने के लिए उत्साहित हैं और उन्होंने इसके बारे में कहा कि यह चरित्र पहले सीजन से अलग है। मैं 17 वर्षीय कॉलेज जाने वाली लड़की की भूमिका निभा रही हूं, जो एक अच्छी, सकारात्मक और खुशमिजाज लड़की है। वह स्वभाव से बहुत प्यारी और चुलबुली है।

शिवांगी का कहना है कि नए कलाकारों से मिलना एक अलग अनुभव है और वह शूटिंग शुरू होने और शो में सभी से मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मुझे अभी पूरी कास्ट से मिलना है। अभी के लिए, मैं आनंद की भूमिका निभाने वाले रणदीप राय और शो में जिगर की भूमिका निभाने वाले समृद्ध बावा से मिली हूं। मैं सेट पर सभी से मिलने के लिए उत्साहित हूं और शूटिंग शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकती।

शिवांगी ने अपने किरदार नायरा से प्रसिद्धि पाई है और वह शो ये रिश्ता क्या कहलाता है में अपनी भूमिका को बहुत श्रेय देती हैं।

मोना सिंह फिल्म लाल सिंह चड्ढा में आमिर खान की मां बनी

फिल्म लाल सिंह चड्ढा की जब से घोषणा हुई है, यह लगातार सुर्खियों में है। कभी अपनी कहानी को लेकर तो कभी रिलीज डेट को लेकर। अब इस फिल्म से अभिनेत्री मोना सिंह की भूमिका सामने आई है। खबर है कि वह इसमें आमिर खान की मां की भूमिका निभाने वाली हैं। मोना उम्र में आमिर से 16 साल छोटी हैं। आमिर की उम्र जहां 56 साल है, वहीं, मोना 40 साल की हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, लाल सिंह चड्ढा में मोना, आमिर खान की मां का किरदार निभा रही हैं। मोना ने फिल्म 3 इडियट्स में भी आमिर के साथ काम किया था। एक सूत्र ने बताया कि मोना और आमिर के बीच उम्र का फासला दोनों के किरदारों पर असर नहीं डालेगा। मोना फिल्म में फॉरेस्ट गंप में निभाए गए एक्ट्रेस सैली फील्ड का रोल निभाएंगी। अब देखना होगा कि वह इस किरदार के साथ कितना न्याय कर पाती हैं।

लाल सिंह चड्ढा हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप का हिंदी रीमेक है, जिसमें आमिर वाला किरदार टॉम हैंक्स ने निभाया था। फिल्म ने छह ऑस्कर अवॉर्ड अपने नाम किए थे। रॉबर्ट जेमेकिस के निर्देशन में बनी यह अमेरिकी कॉमेडी ड्रामा फिल्म 1994 में रिलीज हुई थी।

लाल सिंह चड्ढा का निर्देशन अद्वैत चंदन ने किया है। फिल्म एक ऐसे मानसिक रूप से परेशानी झेल रहे शख्स की कहानी है, जो कई ऐतिहासिक घटनाक्रमों का गवाह बनता है। इसमें देश में लगे आपातकाल, 1984 दंगे, ऑपरेशन ब्लू स्टार, 1983 वर्ल्ड कप की जीत, राम मंदिर आंदोलन समेत और भी कई सारे ऐसे घटनाक्रम दिखाए जाएंगे, जिन्होंने देश की दिशा और दशा दोनों बदलकर रख दी। फिल्म में आमिर के साथ करीना कपूर खान मुख्य भूमिका में दिखेंगी।

कोरोना महामारी के कारण फिल्म की रिलीज डेट को बार-बार बदलना पड़ा है। अब यह फिल्म अगले साल 14 अप्रैल को बैसाखी के मौके पर सिनेमाघरों में आएगी। यह फिल्म मूल रूप से क्रिसमस, 2020 पर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी, लेकिन कोरोना के कारण प्रोडक्शन रुकने के चलते इसे एक साल के लिए टाल दिया गया था। इसके बाद 11 फरवरी, 2022 को रिलीज तय हुई थी और अब इसे आगे बढ़ाकर 14 अप्रैल कर दिया गया है।

मोना को ज्यादातर लोग टीवी की जस्सी के रूप में जानते हैं। 2003 से 2006 के बीच सोनी टीवी पर प्रसारित हुए शो जस्सी जैसी कोई नहीं से उन्होंने खूब लोकप्रियता बटोरी। राधा की बेटियां कुछ कर दिखाएंगी और क्या हुआ तेरा वादा में भी मोना ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। वह झलक दिखला जा के पहले सीजन की विजेता रह चुकी हैं। पिछले काफी समय से मोना टीवी क्राइम शो मौका-ए-वारदात को होस्ट करती दिख रही हैं।

जीने लायक आमदनी का भरोसा तो मिले

देविंदर शर्मा

तीन विवादित कृषि कानूनों की वापसी का अचानक हुआ फैसला भारतीय कृषि के भविष्य पर पुनर्विचार, पुनर्रचना और नवाकार संबंधी मनन करने का मौका प्रदान कर रहा है, ताकि सदाबहार क्रांति की नींव रखी जा सके। इसकी खुशियां मना लेने के बाद, राजनीतिक नेतृत्व के लिए जरूरी हो जाता है कि आर्थिकी का नया खाका इस उद्देश्य से हो कि कृषि को आर्थिक विकास का शक्तिपुंज बनाया जाए।

नवउदारवादी अर्थशास्त्री इसको लेकर हो-हल्ला मचाएंगे परंतु कृषि को मुनाफादायक, आर्थिक रूप से व्यवहार्य और पर्यावरणीय दृष्टि से टिकाऊ बनाना वक्त की जरूरत है। ऐसे समय पर, जब पूरे विश्व में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक और गैर-टिकाऊ भोज्य तंत्र का विकल्प जल्द तैयार करने की जागृति बन रही है, तब भारत के पास सामर्थ्य है कि खेती को पर्यावरण के हिसाब से सुरक्षित, लोगों एवं धरती के लिए स्वस्थकारी बनाने की रूपरेखा प्रदान करे। भले देर से ही सही, किंतु कृषि में प्रस्तावित मंडी व्यवस्था को वापस लेने की साहसिक घोषणा करके प्रधानमंत्री ने सुधारात्मक कृषि की दिशा में आरंभिक कदम पहले ही उठा लिया है।

मैं सुधारात्मक इसलिए कह रहा हूं क्योंकि कृषि कानूनों में जो मंडी व्यवस्था प्रस्तावित थी, वे पहले ही बहुत से मुल्कों और महाद्वीपों में असफल सिद्ध हो चुकी है, अमेरिका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक और चिली से लेकर फिलीपींस तक के फैले विभिन्न देशों में। मुक्त बाजार व्यवस्था ने पहले से मौजूद कृषि संत्रास में केवल इजाफा ही किया है। चाहे यह अमेरिका, कनाडा हो या कोई अन्य राष्ट्र, वहां-वहां मुक्त मंडी व्यवस्था ने कृषकों को या तो कर्जदार किया है या फिर खेती से बाहर धकेला है, साथ ही कृषि को ग्रीन उत्सर्जन का मुख्य अंशदाता भी बना डाला है। यह मानना कि वही मंडी व्यवस्था भारत में चमत्कार कर दिखाएगी, एक भ्रम है। उत्तर अमेरिका में उच्च निवेश, नवीनतम तकनीकी खोज, उच्च उत्पादकता और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मूल्य संवर्धन शृंखला सामर्थ्य होने के बावजूद खेती लगातार घटती गई है और यह अधोगति पिछले 150 सालों से जारी है। वर्ष 2018 में अमेरिकी कृषि विभाग ने हिसाब लगाया था कि कृषि उत्पाद खरीदने को उपभोक्ता द्वारा चुकाए प्रत्येक डॉलर में किसान तक पहुंचने वाला हिस्सा गिरकर महज 8 सेंट तक जा पहुंचा है, लिहाजा उनका वजूद लगातार घटता जा रहा है।

चाहे कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला आगामी चुनावों के मद्देनजर लिया हो या किन्हीं आर्थिक कारणों से, यह जानने के बाद कि मुक्त मंडियां खेती से होने वाली आमदनी बढ़ाने में असफल रही हैं, सार्वजनिक बहस का मुद्दा हो सकता है, लेकिन तथ्य यह है कि तथाकथित सुधारों को दरकिनार कर दिया गया है, इस कदम ने कृषि में नई जान फूंकने और खेती के काम में वापस इज्जत लाने की राह प्रशस्त की है। आंदोलनकारी किसानों ने दिल्ली की सीमा पर सालभर से, मौसम की तमाम दुश्वारियां झेलते हुए जिस तरह की दृढ़ता दिखाई है, उसने देश का ध्यान कृषक समुदाय की दयनीय हालत की ओर खींचा है। यह वक्त है कि नई नीतियां इस तरह बनाई और पुनर्निधारित की जाएं, जिससे कि ऐसी स्वस्थ कृषि व्यवस्था बने जो, सतत और टिकाऊ रहे।

नये कृषि कानून वापस लेने का फैसला यानी आधी लड़ाई जीतना है। इनको निरस्त करने का मतलब है यथास्थिति पुन: बनना, अर्थात् जिस मौजूदा गंभीर कृषि संकटों के बीच किसान की जिंदगी बीत रही है, उसमें कोई राहत न होना। बेशक आंदोलन के पहले दौर में यह एक जीत है, लेकिन दौड़ अभी बाकी है। जब तक किसानों को जीने लायक आमदनी का भरोसा न मिल जाए और फसल की कीमत तय करने में मांग-आपूर्ति के ढर्रे वाले सिद्धांत, जिसे बहुत से अर्थशास्त्री किसानों की दुर्दशा का जिम्मेवार ठहराते हैं, को न बदला जाए, वह यूं ही कृषकों का शोषण करता रहेगा। कृषि आय सुनिश्चित किए बगैर भोजन तंत्र का रूपांतर संभव नहीं है। यह वे बदलाव हैं, जिनकी दरकार न केवल भारत, वरन् पूरी दुनिया को बेसब्री से है।

किसान को 23 फसलों पर अपनी उपज का भाव घोषित सरकारी न्यूनतम खरीद मूल्य से लगभग 40 फीसदी कम मिलता है, इससे तो लागत तक नहीं निकलती। जब किसान कोई फसल बोता है, तो उसे यह तक अहसास नहीं होता कि वास्तव में वह घाटा उगा रहा है। केवल उन इलाकों को छोड़कर, जहां गेहूं, चावल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था लागू है, बाकी देश में किसानों को यहां तक मालूम नहीं है कि उन्हें किस चीज़ से महरूम रखा जा रहा है। यह बात वही है, जो आर्थिक सर्वे 2016 ने खुद मानी है, जिसमें बताया गया है कि 17 राज्यों में, यानी लगभग आधे भारत में, किसान की सालाना औसत आय महज 20,000 रुपये है। वस्तुस्थिति आकलन सर्वे-2019 ने हिसाब लगाया है कि फसल उगाकर होने वाली औसत आय महज 27 रुपये प्रतिदिन बैठती है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य को किसान का कानूनी हक बनाने का मतलब है कि इस निर्धारित भाव से कम किसी प्रकार की खरीद-फरोख्त न होने पाए, और यही वह असली सुधार है, जिसकी जरूरत भारतीय कृषि को शिद्दत से है। किसान के हाथ में ज्यादा पैसा आने पर न सिर्फ खेती आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनेगी बल्कि देश के सकल घरेलू उत्पादकता सूचकांक में भी बढ़ोतरी होगी। इससे ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार होगा, शहरों में रोजगार मुहैया करवाने पर दबाव कम होगा, गांवों में उपभोक्ता वस्तुओं की मांग काफी बढ़ेगी, लिहाजा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में फिर से जान आएगी। यही समय है, उस गलत धारणा पर टिकी अर्थनीति को उलटने का, जो उद्योगों की एवज में कृषि की बलि देने पर टिकी है। इसकी जगह ऐसी अर्थव्यवस्था बनायी जाए जो लोगों की खातिर काम करे, इसके लिए मानव-पूंजी में निवेश करने की जरूरत है।

हालांकि, न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के बावजूद काफी संख्या में कृषक बाहर छूट जाएंगे। वह छोटे और हाशिए पर आने वाले किसान, जिनके पास बेचने लायक ज्यादा उपज नहीं बचती, लेकिन जो अपने परिवार की अन्न सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण कड़ी हैं, उनको प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत मिलने वाली राहत राशि में सापेक्ष बढ़ोतरी की जाए।

भारत के मौजूदा किसान आंदोलन, जो शायद विश्व का सबसे लंबा चला और विशाल आंदोलन है, ने दुनियाभर का ध्यान खींचा है। किसानों ने पुरानी पड़ चुकी उस आर्थिक सोच को चुनौती देने का साहस किया है, जो खेती को गरीब बनाए रखने पर टिकी है। यह अपने आप में कोई कम उपलब्धि नहीं है। यदि ईमानदारी से मूल्यांकन किया जाए तो यह 'सदाबहार क्रांति' का बीज बोने का सामर्थ्य रखती है। यह संज्ञा डॉ. एमएस स्वामीनाथन की दी हुई है, इसके तहत कृषि उत्पादन प्रणाली में रिवायती ज्ञान, उपलब्ध जैव विविधता और खेती-बाड़ी के वह तरीके, जो पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते, इस्तेमाल किए जाते हैं।

खेती व्यवस्था की पुनर्संरचना करने को मंडियां किसान के पास लाकर ऐसा खाद्य वितरण तंत्र विकसित करना होगा जो किसी परिवार के लिए जरूरी पौष्टिकता सुरक्षा यकीनी बनाए। लेकिन यह प्राप्ति वे लोग नहीं कर सकते, जिन्होंने इस संकट को पैदा किया है। इसके लिए नई सोच की जरूरत है। इसको संभव बनाने के लिए शुरुआत पहले किसान की जीने योग्य आमदनी बनाकर की जाए।

लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

सू- दोकू क्र.052

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 51 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

लोहे की दीवार से अस्मिता की जंग

अरुण नैथानी

'मेरे पास आरोप के कोई प्रमाण नहीं हैं। कुछ दे पाना संभव भी नहीं है। कोई ऑडियो-वीडियो सबूत भी नहीं है। मेरे पास अस्मिता से खिलवाड़ के बुरे अनुभव हैं। लेकिन यह हकीकत है कि मैंने पूर्व उपप्रधानमंत्री पर यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगाये हैं। वे कह सकते हैं कि आरोप झूठे हैं। वे इसकी परवाह नहीं करते। मुझे पता है कि चीन जैसी व्यवस्था में इतने बड़े आदमी से टकराना पर्वत पर पत्थर मारने जैसा है। कह सकते हैं कि आग से किसी कीट-पतंगे का टकराव मोल लेना।' ये मर्म को आहत करने वाले शब्द उस चीन की टेनिस स्टार पंग शुआई के हैं जो पिछले दिनों अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों में रही। जिसके लापता होने से पूरा विश्व, खेल जगत हैरत में था।

दरअसल, पंग शुआई चीन की ऐसी पहली टेनिस स्टार है, जिसने अंतर्राष्ट्रीय टेनिस में पहली रैंकिंग हासिल की। वर्ष 2014 में उसे महिला टेनिस संघ ने डबल्स स्पर्धा में एक नंबर की रैंकिंग दी थी। तब उसने विंबलडन समेत कई खिताब जीते थे। उसकी गिनती चीन में टेनिस के अव्वल खिलाड़ियों में होती रही है। उसने डबल्स स्पर्धा के करीब 23 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खिताब जीते हैं। उसकी गिनती एक दशक तक दुनिया के शीर्ष सौ टेनिस खिलाड़ियों में होती रही है। वहीं छह सीजन तक उसकी गिनती शीर्ष पचास खिलाड़ियों में होती रही है। वर्ष 2014 में उसकी रैंकिंग चौदहवीं थी। उसने अपने खेल से जो मुकाम अंतर्राष्ट्रीय जगत में हासिल किया, वह किसी दूसरे चीनी खिलाड़ी को नसीब नहीं हुआ। अपने टेनिस कोच चाचा से प्रेरित होकर टेनिस की दुनिया में उतरी पंग शुआई का जन्म आठ जनवरी 1986 को चीन के हुनान प्रांत में हुआ। उसके पिता पंग जीजम एक पुलिसकर्मी थे। यह उसकी हिम्मत ही थी कि बारह वर्ष की उम्र में एक गंभीर बीमारी होने पर परिवार के मना करने के बावजूद उसने आप्रेशन करवाया और कड़ी मेहनत व हौसले के साथ टेनिस की दुनिया में आ गई।

पिछले दिनों वह मीडिया की सुर्खियां तब बनी जब उसके लापता होने की खबरें आई। इस खबर ने टेनिस व खेल जगत में तहलका मचा दिया। विश्व महिला टेनिस संघ और दुनिया के कई चोटी के टेनिस खिलाड़ियों ने उसके लापता होने पर चिंता जताई। दरअसल, पिछले दिनों पंग शुआई ने चीनी सोशल मीडिया वीबो अकांउट पर एक संदेश डालकर एक वरिष्ठ चीनी नेता पर यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगाये। हालांकि कुछ मिनटों के बाद उनका मैसेज डिलीट कर दिया गया। उसके बाद उन्हें सार्वजनिक जीवन में नहीं देखा गया। दुनिया भर में इस मुद्दे को उछलते देख चीनी सरकारी मीडिया बचाव में नजर आया। एक ईमेल के जरिये बताने की कोशिश हुई कि वह ठीक-ठाक है। कुछ वीडियो भी सरकारी सूचना माध्यमों में उनके सामाजिक जीवन में सक्रिय होने व सुरक्षित होने को दर्शाते रहे। लेकिन विश्व महिला टेनिस संघ व अन्य खिलाड़ियों ने इस मेल व वीडियो की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किये।

दरअसल, पंग शुआई ने चीन के पूर्व उपप्रधानमंत्री जांग गाओली पर जबरन यौन संबंध बनाने के लिये बाध्य करने का आरोप लगाया था। इस घटना के बाद सरकारी स्तर पर तो प्रतिक्रिया सामने नहीं आयी लेकिन सरकारी टीवी पर उसकी एक मेल कुशलक्षेम दर्शाती नजर आई। जिस पर महिला टेनिस संघ के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि यह मेल संदेह को और गहरा करती है। फिर सरकारी मीडिया से जुड़े एक संपादक ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया, जिसमें पंग शुआई को अपने कोच व मित्रों के साथ रात्रिभोज करते एक रेस्टोरेंट में दिखाया गया। हालांकि कालांतर बीते रविवार को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष ने वीडियो काल के जरिये पंग शुआई से बातचीत करने की बात कही। उनको पंग शुआई ने बताया कि वह ठीक है और उसकी चिंता करने के लिये विश्व बिरादरी व खेल जगत का आभार व्यक्त करती है। जाहिर सी बात है कि लौह आवरण वाली चीनी व्यवस्था में किसी खिलाड़ी का सत्ता प्रतिष्ठानों से टकराना उसकी नियति पहले ही तय कर देता है। कहना कठिन है कि पंग शुआई कितनी सुरक्षित है और कितनी संतुष्ट।

सशस्त्र सेना झंडा दिवसः कर्नल जोधा ने सीएम को लगाया फ्लैग

नगर संवाददाता

देहरादून। 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास निदेशालय के उपनिदेशक कर्नल (सेनि)एमएस जोधा एवं कर्नल (सेनि) बीएस रावत ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को फ्लैग लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की रक्षा हेतु सदैव तत्पर रहने वाले अपने वीर सैनिकों पर हमें गर्व है। 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' का यह अवसर राष्ट्र के सजग प्रहरियों के अविस्मरणीय बलिदानों और सेवाओं को स्मरण करने और उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का भी दिन है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के नागरिकों से 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष' में सैनिक परिवारों के कल्याण के लिए अपना योगदान देने की भी अपील की है।

राहुल गांधी की रैली में जुटेंगे हजारों पूर्व सैनिकः कै.बलबीर सिंह

संवाददाता

देहरादून। राहुल गांधी के 16 दिसंबर को देहरादून में आयोजित रैली की तैयारी को लेकर कांग्रेस भवन में आज एक बैठक सम्पन्न हुई । जिसमें सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष कै. बलबीर सिंह ने कहा कि पूर्व सैनिक राहुल गांधी की रैली में बढ़ चढ़ कर भागीदारी करेंगे।

उन्होंने कहा कि वन रैंक वन पेंशन विसंगतियों से भरा हुआ है जिससे काफी आर्थिक हानि हो रही है पूर्व सैनिकों को मिलिट्री सर्विस पे नही मिला है और कोरोना काल में पूर्व सैनिकों का महंगाई भत्ता फ्रीज कर दिया गया था जिससे पूर्व सैनिकों में काफी रोष है। उन्होंने प्रदेश के पूर्व सैनिकों से अनुरोध किया कि रैली में बढ़ चढ़ कर भागीदारी करें। बैठक में कांग्रेस के प्रदेश सचिव महेश जोशी ने कहा कि कांग्रेस सदैव पूर्व सैनिकों की हितैषी रही है और उनके कल्याण को कई योजनाएं क्रियान्वित की है। उत्तराखंड सैनिक बहुल क्षेत्र है और देश की रक्षा में बहादुरी का परिचय दिया है और अपने प्राणों की आहूति दी है। सेवानिर्विति के बाद भी पूर्व सैनिकों का प्रदेश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है । बैठक को मेजर हरी सिंह चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी 1971 के युद्ध के वीर सैनिक एवम उनकी विधवाओं को विशेष रूप से सम्मानित करेंगे ये विशुद्ध रूप से सैनिक सम्मेलन है जिसमे राहुल गांधी पूर्व सैनिकों को संबोधित करेंगे । बैठक में कर्नल राजेंद्र प्रसाद बड़थ्वाल,कर्नल एस पी शर्मा,कर्नल मोहन सिंह रावत,कर्नल निशिकांत ध्यानी,ले.सहदेव शर्मा, सूबेदार मेजर सूर्यभूषण नेगी, ले.नारायण सिंह नेगी,के. सोबन सिंह सजवान, कै. बी एस रावत, एल के कुकी आदि पूर्व सैनिकों ने अपने विचार रखे।

उत्तराखंड में सख्त भू कानून आंदोलन यात्रा का शुभारंभ 10 कोः ऐरी

नगर संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में भू कानून लागू करवाने के लिए उत्तराखंड क्रांति दल आंदोलन यात्रा को समर्थन दिया है। प्रदेश में उत्तराखंड सख्त भूकानून आंदोलन यात्रा का शुभारंभ 10 दिसंबर को सीएम आवास के समक्ष लचर कानून के विरोध के साथ शुरू होगी।

आज प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए दल के केंद्रीय अध्यक्ष काशी सिंह ऐरी ने कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल राज्य बनने से पहले राज्य की जमीन को बचाने की बात करते आया है। धारा 371 विभिन्न राज्यों में अलग अलग प्रावधानों को लेकर लागू है। कहा कि दल का यही मानना है कि धारा 371 के अंतर्गत कड़े प्रावधान बनाकर राज्य की जमीन बचाने के लिए कड़ा भू-कानून लागू किया जाए। हमारी मांग पूर्व से रही है और आज भी है। ऐरी ने कहा कि इसीलिए दल ने उतराखंड सख्त भूकानून अन्दोलन यात्रा का समर्थन किया। जो सिविल सोसाइटी के प्रभात कुमार द्वारा 10 दिसम्बर से उतराखंड के 13 जिलों में सख्त भू कानून की मांग को ले कर प्रचंड यात्रा होने जा रही हैं। ऐरी ने घोषणा की कि प्रदेश में दल की सरकार बनने के 24 घंटे के भीतर पहली कलम सख्त भू कानून लागू करने को चलेगी।

प्रभात कुमार ने बताया कि यह यात्रा 10 दिसम्बर से मुख्यमंत्री आवास से प्रारम्भ होगी और चकराता, उत्तरकाशी, टिहरी, पौड़ी, कर्णप्रयाग, गैरसैंण, चमोली, बागेश्वर, नैनीताल, अल्मोड़ा, चंपावत, टनकपुर, खटीमा होते हुए हल्द्वानी, हरिद्वार, वापस देहरादून गांधी पार्क पर समापन होगा। कहा कि यात्रा प्रचंड होगी क्योंकि आन्दोलन पुराने लचर भू कानून के विरोध में 13 जिलो में चलाया जाएगा। उक्रांद के इस यात्रा से जुड़ने से सख्त भू-कानून आंदोलन यात्रा की जा जानी है जो एक हजार किलोमीटर यात्रा का समर्थन जनपदों में दल के जिलाध्यक्ष जनपदों मे करेंगे।

कहा कि उतराखंड की जनता 21 साल से जिन राष्ट्रीय दलों की शोषण और भ्रष्टाचार में लिप्त राजनीति का शिकार हुई हैं उससे निकलने में जनता उतराखंड क्रांति दल को 2022 के चुनावों में उत्तराखंड का विकल्प मान रही है। उक्रांद ने सख्त भू कानून अन्दोलन यात्रा में 13 जिलों के अपनी संगठन की ताकत को झोंकने पूर्ण रूप से समर्थन कर दिया हैं। यात्रा का मकसद उतराखंड की जनता को भूकानून को ले कर जागरूक करना है। जनता 2022 के चुनावों में इस को बड़ा मुद्दा मान रही हैं।

इस अवसर पर बीडी रतूड़ी, हरीश पाठक, चंद्र शेखर कापड़ी, किशन मेहता, सुनील ध्यानी, विजय बौडाई, शिव प्रसाद सेमवाल, राजेंद्र बिष्ट, डॉ वी के ओली अनिरुद्ध काला, राहुल गाड़िया, सिविल सोसाइटी की पूजा चमोली, सीमा रावत आदि थे।

कृष्णा को महानगर उपाध्यक्ष व भागेश्वरी को महामंत्री नियुक्त किया

नगर संवाददाता

देहरादून। महानगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश रमन ने कृष्णा देवी को महानगर उपाध्यक्ष, भागेश्वरी देवी को महामंत्री नियुक्त करने की घोषणा की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 2022 के चुनाव में महिलाएं महंगाई को मुद्दा बनाकर घर-घर जाएंगी क्योंकि महिलाओं की पकड़ प्रत्येक घर तक होती है। यहां महिलाओं को जिम्मेदारी

दी जाएगी। जिस तरीके से आज महंगाई चरम सीमा पर है।

गैस के दाम एक हजार से ऊपर हैं। खाद्य सामग्री इतनी महंगी हो चुकी है महिलाओं को अपने घर का गुजारा बसर करना मुश्किल हो गया है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में कांग्रेस की सरकार लाकर प्रदेश के युवाओं को रोजगार और महिलाओं को महंगाई से निजात दिलाने का काम करेंगे। कार्यक्रम में मौजूद अनुराधा तिवारी प्रदेश महामंत्री, प्रदेश प्रवक्ता चंद्रकला नेगी, ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पा पवार, प्रदेश उपाध्यक्ष आशा टम्टा आदि मौजूद रहे।

जनता ब्रिगेड पार्टी ने किया उत्तराखंड में चुनावी शंखनाद

नगर संवाददाता

देहरादून। सीमाओं पर देश की रक्षा करने के बाद अब सेवानिवृत्त सैनिकों ने देश सेवा के लिए मैदान में उतरने का निर्णय लिया है। उत्तराखंड में जनता ब्रिगेड पार्टी ने आज चुनावी शंखनाद किया है।

आज प्रेस क्लब में पार्टी के संरक्षक स्वामी दयाशंकर ने कहा कि अपने जीवन का अनमोल समय मां भारती की सुरक्षा में सीमाओं पर देने के बाद सेवानिवृत्त सैनिकों ने राजनैतिक दलों के विरोध में खड़े होने का निर्णय लिया है। क्योंकि फौज से रिटायर होने के बाद जब जमीनी हकीकत से रूबरू हुए तो यह लगा कि राजनीतिक दल केवल दोहरा चरित्र अपना कर लोगों को धर्म-जाति के नाम पर आपस में लड़ा रहे हैं। युवा पीढ़ी नशे में डूब रही है। कहा कि आज जनता के सामने यही सवाल है कि क्या देश केवल शराब की नीति बनाने से ही चल सकता है। नशे से ही क्या राष्ट्र का उन्नयन होगा। मांस,

मदिरा और चारित्रिक पतन करवा कर राजनीतिक दल अपना वोट बैंक बना रहे हैं। पूर्व सैनिक अब शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए संघर्ष करेंगे।

इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूबेदार (सेनि) वीर सिंह चौहान ने कहा कि पूर्व सैनिकों ने यह पार्टी राजनीति करने के लिए नहीं बल्कि भ्रष्ट और दोगले सफेदपोश नेताओं के विरूद्ध खड़े होने के लिए बनाई है। कहा कि दिल्ली में चुनाव से पहले आप के संयोजक ने कहा था कि सरकार में आते ही भ्रष्टाचारियों को जेल में डालेंगे लेकिन सत्ता में आने के बाद वे भी भाजपा और कांग्रेस के रंग में रंग गये। कहा कि देश की राजनीति बेहद दूषित हो चुकी है। एक सवाल के जवाब में चौहान ने कहा कि उत्तराखंड में सभी सीटों पर उनकी पार्टी चुनाव लड़ेगी। यदि कोई इच्छुक उम्मीदवार है तो वह सीधे उनसे या प्रदेश अध्यक्ष महिपाल दफौटी से संपर्क कर सकता है। उन्होंने प्रदेश की जनता से भी अनुरोध किया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ इस लड़ाई में वे पूर्व सैनिकों का साथ दें।

एक नजर

'सांसदों को सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थिति दर्ज करानी चाहिए'

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों से कहा कि सदन में उन्हें अनिवार्य रूप से उपस्थिति दर्ज करानी चाहिए, भले ही महत्वपूर्ण विधेयक सूचिबद्ध हों या ना हों, क्योंकि लोगों ने अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए उन्हें चुनकर संसद में भेजा है। भाजपा संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री ने यह बात कही। इस बैठक

में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा के लिए केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा सहित अन्य आदिवासी सांसदों ने प्रधानमंत्री का अभिनंदन भी किया। संसद के शीतकालीन सत्र में यह भाजपा संसदीय दल की पहली बैठक थी। आम तौर पर भाजपा संसदीय दल की बैठक संसद परिसर स्थित लाइब्रेरी बिल्डिंग में होती है लेकिन वहां जारी मरम्मत कार्य के चलते पहले हफ्ते संसदीय दल की बैठक नहीं हो सकी थी। आज की बैठक आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में हुई, जिसमें केंद्रीय मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित अन्य नेता उपस्थित थे। बैठक के बाद संवाददाताओं को संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने बताया कि राज्यसभा के १२ निलंबित सदस्य अगर आज माफी मांग लेते हैं तो उनका निलंबन वापस ले लिया जाएगा। ज्ञात हो कि इन सदस्यों के निलंबन के मुद्दे पर विपक्षी सदस्य संसद के दोनों सदनों में हंगामा कर रहे हैं और इसकी वजह से कामकाज बाधित हुआ है।

केजरीवाल ने पंजाब में उठाया अवैध खनन का मुद्दा, चन्नी पर साधा निशाना

अमृतसर। आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पंजाब मिशन पर निकले दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने यहां अवैध खनन के मुद्दे पर पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी पर निशाना साधा। मंगलवार की सुबह अमृतसर में पहुंचे दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने कहा कि चमकौर साहिब में अवैध रेत खनन होते पाया गया है, ऐसा सोचना मुश्किल है कि सीएम चन्नी को पता नहीं होगा। उन पर रेत चोरी के गंभीर आरोप लगे है, पंजाब की जनता जानना चाहती है कि जो अवैध रेत खनन उनके हल्के में चल रहा है वो उसके मालिक हैं या उनकी उसमें पार्टनरशिप है। केजरीवाल ने कहा कि एक अनुमान के मुताबिक यहां २०,००० करोड़ रुपये का अवैध रेत खनन चल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में जब आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी तो हम इसे खत्म कर देंगे। केजरीवाल अवैध खनन की निष्पक्ष जांच और खनन माफियाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज़ होने की मांग की। अपने एक ट्वीट में उन्होंने लिखा, आम आदमी पार्टी की सरकार अवैध रेता खनन बंद करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सुधा भारद्वाज को जमानत के खिलाफ एनआईए की याचिका खारिज की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की उस अपील को खारिज कर दिया जिसमें उसने एल्गार परिषद मामले में आरोपी वकील और अधिकार कार्यकर्ता सुधा भारद्वाज को डिफॉल्ट जमानत मिलने को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने एजेंसी की याचिका को यह कहते

हुए खारिज कर दिया कि उसे जमानत देने के बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं मिला। बॉम्बे हाईकोर्ट ने १ दिसंबर को भारद्वाज को डिफॉल्ट जमानत इस आधार पर दी थी कि गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत उनकी हिरासत एक सत्र अदालत द्वारा बढ़ा दी गई थी जिसके पास ऐसा करने की कोई शक्ति नहीं थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि जब एनआईए अधिनियम, २००८ के तहत नामित एक विशेष अदालत पुणे में मौजूद थी, तब सत्र न्यायाधीश के पास निर्धारित ९० दिनों से अधिक हिरासत बढ़ाने का अधिकार नहीं था। उसने निर्देश दिया कि भारद्वाज को जमानत की शर्तों और उसकी रिहाई की तारीख तय करने के लिए ८ दिसंबर को विशेष एनआईए अदालत के समक्ष पेश किया जाए।

समयबद्धता और समूह में काम करना सिखाता है खेलः धामी

नगर संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि खेल हमारे जीवन में उस सतरंगी इन्द्रधनुष के समान है, जो बारिश के बाद काले बादलों के बीच निकलकर रंग-बिरंगी दुनिया का संदेश देता है। खेल समयबद्धता, धैर्य, अनुशासन, समूह में कार्य करना और लगन सिखाते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को परेड ग्राउण्ड देहरादून स्थित बहुद्देशीय खेल सभागार में राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। यह प्रतियोगित 7 से 14 दिसम्बर तक चलेगी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि टीम भावना से खेलना आत्मविश्वास के स्तर का निर्माण करना और सुधार करना सिखाता है। यदि हम खेल का नियमित अभ्यास करें, तो हम अधिक सक्रिय और स्वस्थ रह सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार ओलंपिक और पैरालंपिक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। ओलंपिक के बाद हर परिवार में खेल की चर्चा शुरू हुई है, इसे रुकने नहीं देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता के माध्यम से जहां खिलाड़ियों को अपना जज्बा दिखाने का मौका मिलता है। वहीं वे दूसरे राज्यों की संस्कृति से भी रूबरू होते हैं। राज्य सरकार ने प्रदेश में खेलों व खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए खेल नीति-2021 को लागू किया है। उत्तराखंड खेल नीति 2021 में खेल, खिलाड़ियों के उन्नयन, खेल प्रतिभाओं को तलाशने, निखारने व उभारने, खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने, खिलाड़ियों के नियोजन, सामान्य आहार के साथ-साथ एक्स्ट्रा न्यूट्रिएंट्स फूड डाइट की व्यवस्था, खिलाड़ियों के लिए रोजगार के अवसर तथा सम्बंधित पूर्ण सुविधाएं प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेल विश्वविद्यालय बनाने के लिए भी कृतसंकल्प है। स्पोर्ट्स कॉलेज रायपुर को अंतराष्ट्रीय स्तर का स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय बनाने हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करने वाली वंदना कटारिया को राज्य में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान का ब्रांड एम्बेसडर' बनाकर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया गया है। राज्य सरकार द्वारा युवा कल्याण एवं प्रान्तीय विकास दल के युवक मंगल दल और महिला मंगल दलों को स्वावलम्बन हेतु 6 माह लिए 20 हजार समूहों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

खेल मंत्री अरविन्द पाण्डेय ने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। नई खेल नीति में खिलाड़ियों को हर प्रकार की सुविधा दी गई है। अब धन के अभाव में किसी भी खिलाड़ी को किसी के आगे हाथ फैलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस अवसर पर विधायक भरत चौधरी, खेल निदेशक जीएस रावत, उत्तराखण्ड टेबल, टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष चेतन गुरूंग, सेक्रेटरी प्रिंस विपिन, अशोक वासु एवं एबी लाल आदि मौजूद थे।

सरकार के खिलाफ'इटंक' करेगी 9 दिसम्बर को विधानसभा घेराव

संवाददाता

देहरादून। भाजपा की केंद्र व राज्य सरकारों की श्रम विरोधी व सार्वजनिक संस्थानों के निजीकरण की नीति के विरोध में 9 दिसंबर 2021 को उत्तराखण्ड प्रदेश इंटक विधानसभा का घेराव करने जा रही है।

घेराव का ऐलान करते हुए पूर्व मंत्री एवं उत्तराखंड इंटक प्रदेश अध्यक्ष हीरा सिंह बिष्ट द्वारा प्रेस वार्ता कर बताया गया कि 9 दिसंबर को सुबह दस बजे रेस कोर्स बन्नू स्कूल के समीप एकत्रित होकर उत्तराखंड प्रदेश इंटक के हजारों कार्यकर्ता विधान भवन कूच करेंगे। युवा इंटक के प्रदेश अध्यक्ष संग्राम सिंह पुंडीर ने कहा कि बेरोजगारी की वजह से युवाओं में आक्रोश है और राज्य सरकार द्वारा युवाओं के लिए ऐसी कोई ठोस योजना नही बनाई है। बेरोजगारी की वजह से उत्तरखण्ड का युवा पयायन करने को मजबूर हो रहा है। इसके अतिरिक्त इंटक के वरिष्ठ नेता वीरेंद्र नेगी, बीके छतवाल, ओ पी सुद, अशोक चौधरी, अनिल कुमार, विनोद कवि, विक्टर थॉमस, रविनंदन, घनश्याम गुरंग, जीतू कुमार आदि उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
होटल साइना इन में आवश्यकता है वेटर व बिल क्लर्क की।
संपर्क करें-
9358134808

भारी मात्रा में स्मैक सहित तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत टिहरी पुलिस को कल देर शाम खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक नशा तस्कर को दबोच कर उसके पास से भारी मात्रा में लाखों रूपये की स्मैक बरामद की है।

पुलिस उपाधीक्षक नरेन्द्र नगर रविन्द्र कुमार चमोली द्वारा बताया गया कि कल देर शाम थाना मुनिकीरेती पुलिस व एसओजी टिहरी गढ़वाल की संयुक्त टीम को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान पुलिस टीम को मुनि की रेती कैलाश गेट क्षेत्रांर्तगत खारा स्रोत नामक स्थान पर स्कूटी सवार एक संदिग्ध आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस टीम ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने का प्रयास करने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस टीम द्वारा उसके पास से 40.26 ग्राम स्मैक बरामद की गयी। जिसकी कीमत साढ़े चार लाख रूपये आंकी गयी है। थाने लाकर की गयी पूछताछ में उसने अपना नाम कमल वाधवा पुत्र सुरेन्द्र कुमार वाधवा निवासी गंगानगर ऋषिकेश बताया। पुलिस ने उसे एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। एसओजी व स्थानीय पुलिस की इस कामयाबी पर एसएसपी टिहरी द्वारा टीम की सराहना कर भविष्य में भी इसी प्रकार कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

किसी के लिए भी आसान..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

कुछ छीन लिया है जिसकी भरपाई की कोशिशों में जुटे हरीश रावत कितने कामयाब होंगे? इसका खुद कांग्रेस को भी भरोसा नहीं है। कभी उत्तराखंड की सियासत में थोड़ा सा दखल रखने वाली बसपा एक बार फिर चुनाव में आस्तीनें चढ़ा रही है मायावती व उनकी बसपा भले ही बहुत सक्रिय न दिख रही हो लेकिन उसका कैडर वोट अपना ही है जिसे वह भाजपा व कांग्रेस से छीन कर उनकी मुश्किलें बढ़ा सकती है।

आवश्यकता है
आवश्यकता है एक माली की।
संपर्क करें-
9358134808

आर.एन.आई. 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।